

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया छात्रों के स्टार्टअप 'गुरुकूल' का 2 मिलियन अमरीकी डालर की कंपनी बनने के लिए प्री-सीड फंडिंग सुनिश्चित

दिल्ली स्थित एडटेक स्टार्टअप गुरुकूल, जिसके तीन संस्थापक हैं और अधिकांश टीम सदस्य जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्र और पूर्व छात्र हैं; उसने एक भारतीय-अमेरिकी एंजेल इन्वेस्टर, परवेज जसानी (सीईओ, जूली वेंचर इंक) और फ्रीफ्लो वेंचर बिल्डर्स से प्री-सीड राउंड में \$150,000 USD का निवेश जुटाया है।

2019 में स्थापित, गुरुकूल एक शैक्षिक नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म है जो शिक्षार्थियों और शिक्षकों को जोड़ने के लिए फ्रिजिटल (फ्रिजिकल + डिजिटल) टूल का एक सूइट प्रदान करता है। 25 से अधिक टूल और एक विशाल कंटेंट पूल के साथ, गुरुकूल स्कूलों और कॉलेजों के शिक्षकों को ऑनलाइन जाने और अपने डिजिटल इंग्रगस्ट्रक्चर का निर्माण करने के लिए सशक्त बना रहा है जो शिक्षार्थियों को उन्हें खोजने, उनसे जुड़ने और सीखने में सक्षम बनाता है।

फंडिंग राउंड पर बोलते हुए, गुरुकूल के संस्थापक और सीईओ, आदिल मेराज, जोकि वर्तमान में जामिया में मनोविज्ञान के छात्र हैं, ने कहा, "हम अपने रणनीतिक निवेशकों के साथ अपनी यात्रा शुरू करने के लिए उत्साहित हैं, जो हमारी दृष्टि में विश्वास करते हैं और हमारे पारिस्थितिकी तंत्र की गहरी समझ रखते हैं। डिजिटल रूप से, सीखना और सामाजिककरण अलग-अलग धाराओं के रूप में उभरा है जिसके परिणामस्वरूप शैक्षिक उपकरण, सामग्री, शिक्षार्थी और शिक्षक विशिष्ट डोमेन में बिखरे हुए हैं। एक शैक्षिक नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म होने के नाते गुरुकूल एक ही समय में प्रकाशक, शिक्षण मंच, मार्केटप्लेस और एग्रीगेटर बनने में सक्षम बनाता है। गुरुकूल ने डिजिटल डिवाइड को पाट दिया है और सभी हितधारकों को एक भौतिक दुनिया में साथ लाया है।"

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को मुफ्त और हाइपरलोकल बनाने के लिए कुछ राज्य सरकारों के सहयोग से, गुरुकूल ने 'पढाई इंडिया टूल' लॉन्च करने की योजना बनाई है। हाल ही में इसे पायलटिंग के लिए उच्च शिक्षा, बिहार सरकार की द्वारा अनुमोदित किया गया है। सर्वोत्तम ओपन सोर्स और शिक्षकों से सर्वश्रेष्ठ सामग्री को एक साथ लाते हुए, पढाई इंडिया में 8 क्षेत्रीय भाषाओं में 3000+ क्यूरेटेड पाठ्यक्रम हैं। इसमें K-12, प्रतियोगी परीक्षाओं और स्किल इंडिया के लिए लाइव क्लासेस, अध्ययन सामग्री, टेस्ट सीरीज़ और प्रश्नावली भी हैं।

स्टार्टअप ने एक मजबूत टीम बनाने के लिए फंड्स का उपयोग करने, अपने प्रौद्योगिकी मंच को मजबूत करने में निवेश करने, भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापार को तेजी से बढ़ाने और सबसे महत्वपूर्ण रूप से अपने बढ़ते गुरुकूल परिवार के लिए सकारात्मक प्रभाव पैदा करने की अपनी योजना की पुष्टि की।

सह-संस्थापक और सीओओ- खानसा फहद, जो वर्तमान में जामिया में बी.टेक अंतिम वर्ष में हैं, उन्होंने कहा, "हमारी कहानी सफलता की कहानी नहीं है। हमारी कहानी संघर्ष, अस्तित्व और धैर्य की कहानी है। हमारी कहानी एक अधूरे सपने की कहानी है और अधिक से अधिक सीखने तथा सहानुभूतिपूर्ण दुनिया बनाने का एक अटूट विश्वास है!"